पराली जलाने की बजाए गोशाला भेजें किसान : डीसी

जागरण संवाददाता, फरीदकोट : डिप्टी कमिश्नर राजीव पराशर ने कहा कि धान की पराली व रहिंद-खूंहद को आग लगाने की बजाए पशुओं के चारे के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस लिए किसान धान की पराली व रहिंद-खूंहद को गोलेवाला की सरकारी गोशाला में भेज कर जानवरों की सेवा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस गोशाला में करीब 900 गाय-नंदी हैं। इसमें जिला प्रशासन, दानी सज्जन व समाजसेवी संस्थाओं द्वारा पूरा सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने लोगों को अपील करते हुए कहा कि किसान धान की पराली व रहिंद-खूंहद को आग

डीसी राजीव पराशर

लगाने की बजाए इसको पशुओं के चारे व सर्दी से बचाने के लिए पशुओं के नीचे बिछाने के अलावा बायोगैस के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इस लिए किसान धान की कटाई के बाद पराली व रहिंद-खूंहद को गोशाला भेज कर अपना योगदान डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पराली को ट्रालियों में भर कर भेजने में लेबर की समस्या आती है तो नरेगा की लेबर की मदद ली जा सकती है। इसके लिए अपने ब्लाक के ब्लाक विकास व पंचायत अधिकारी के साथ संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए गांव मुमारा के नंबरदार सोनू के मोबाइल नंबर 94177-61129, राजीव कुमार के 90235-90231 व पूर्व सरपंच गोलेवाला कुलवंत सिंह 94634-24370 पर संपर्क किया जा सकता है।